अगस्त 2024
₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

R.N.I. No. 68832/97

किसानों की स्थिति में सुधार अत्यंत जरूरी हैं। हालात यह हैं कि बाकी सभी धंधे तो फायदे में हैं, लेकिन किसान घाटे में हैं। बहुत बड़ी संख्या में किसान गरीबी की रेखा के नीचे हैं। यदि कृषि कार्यों में किसानों के परिवार की भी मेहनत जोड़ दें तो साफ पता चलेगा कि किसान जितना घाटे में है, उतना घाटे में कोई नहीं है। इस स्थिति को बदलना बेहद जरूरी है।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

अगस्त 2024
वर्ष 25 | संख्या 10

प्रिय पाठकों,

आपको बधाई एवं हृदय तल से आभार। आपकी प्रिय पत्रिका समाजवादी बुलेटिन अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आप सभी के प्यार और उत्साहवर्धन की बदौलत यह संभव हो पाया। समाजवादी बुलेटिन के ढाई दशक के सफर में इसके नए कलेवर को आपने खूब सराहा। हम भरोसा दिलाते हैं कि वैचारिक स्तर पर आपको समृद्ध करने का हमारा प्रयास सतत जारी रहेगा। कृपया अपना स्नेह यूं ही बनाए रखें।

धन्यवाद

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक

प्रोफेसर रामगोपाल यादव

☎ 0522 - 2235454

samajwadibulletin19@gmail.com

bulletinsamajwadi@gmail.com

Mob:- 9598909095

/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए

19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित

अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित

R.N.I. No. 68832/97

अंदर

संविधान मान स्तंभ की स्थापना और सामाजिक न्याय का संकल्प 12

08 कवर स्टोरी

दम दिखाने को तैयार समाजवादी जोश

भाजपा का आरक्षण विरोधी चेहरा बेनकाब 06

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में बड़ा झटका लगाहै। इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपने फैसले में शिक्षक भर्ती की पूरी मेरिट लिस्ट को रद्द कर दिया और तीन महीने में नई सूची बनाकर जारी करने का आदेश दिया। साथ ही अदालत ने शिक्षक भर्ती की नई मेरिट लिस्ट में बेसिक शिक्षा नियमावली और आरक्षणका पालन करने का निर्देश दिया।

आम बजट में PDA व यूपी की उपेक्षा 30

INDIA का दायरा बढ़ा रहे अखिलेश 28

समाजवादी सबला-सुरक्षा वाहिनी

'आधी-आबादी' की पूरी आज़ादी!

सदियों से इतिहास में सर्व समाज द्वारा मनाए जानेवाले सुरक्षा-सौहार्द के सामाजिक-सामुदायिक पर्व **'रक्षा-बंधन'** के अवसर पर समाजवादी पार्टी **'आधी-आबादी'** मतलब हर बालिका, स्त्री, नारी, महिला को समर्पित एक **'समाजवादी सबला-सुरक्षा वाहिनी'** का गठन कर रही है। ये वर्तमान के संदर्भ में **'स्त्री-संरक्षणीकरण'** की नवीन अवधारणा को जन-जन तक ले जाएगी और सद्भावनापूर्ण प्रयासों और समानता के विचारों के प्रसारण से नारी के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाकर, सामाजिक सोच में आमूलचूल परिवर्तन लाएगी। नारी को समावेशी विकास का हिस्सा बनाएगी।

'समाजवादी सबला-सुरक्षा वाहिनी' नारी के मुद्दों और मामलों में 'चार दिन की चिंता' की तरह केवल कहकर नहीं रह जाएगी, केवल औपचारिकता नहीं निभाएगी बल्कि बीते कल से सबक लेते हुए 'वर्तमान' को झकझोर कर सचेत बनाएगी, 'दूरगामी ठोस क़दम' भी उठाएगी, रास्ते भी बनाएगी और चलकर भी दिखाएगी क्योंकि परिवर्तन थोथे बयानों से नहीं, सच्ची भावना से किये गये सद्-प्रयासों से ही आएगा।

'समाजवादी सबला-सुरक्षा वाहिनी' नारी के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए उनके **'आर्थिक सबलीकरण और नारी-सुरक्षा'** जैसे विषयों के विविध कार्यक्रमों के माध्यम से उनके चतुर्दिक सशक्तीकरण को सुनिश्चित करने का अति महत्वपूर्ण कार्य करेगी।

नारी में **'सुरक्षा की भावना'** उसकी शिक्षा की निरंतरता, उसकी कुशलता-समर्थता, सक्रियता व आत्मनिर्भरता और परिवार-समाज में ससम्मान जीने का सुदृढ़ आधार बनती है। नारी जितनी सुरक्षित होगी, उतनी ही उसकी सक्रियता बढ़ेगी और उतना ही उसका आर्थिक योगदान बढ़ेगा और साथ ही उसका पारिवारिक-सामाजिक सम्मान भी और देश-दुनिया के विकास में योगदान भी।

ये **'आधी-आबादी की पूरी आज़ादी'** का अभियान है, जिसके शुभारंभ के लिए **'रक्षा-बंधन'** जैसे पावन-पर्व

से अच्छा अन्य कोई पर्व और क्या हो सकता है, लेकिन ये कोई एक दिन का पर्व नहीं होगा बल्कि हर पल, हर जगह, हर दिन सक्रिय रहनेवाली जागरूकता का चैतन्य रूप होगा। जो नारी को सुरक्षित रखते हुए, आर्थिक रूप से सशक्त करते हुए एक बड़े सामाजिक-मानसिक बदलाव की ओर ले जाएगा और समाज में नारी की सुरक्षा तथा नारी को अपने पैरों पर खड़े होने के लिए स्वनिर्भरता को प्राथमिकता बनाएगा। ये नारी के संदर्भ में नज़रिया बदलने के लिए **'सामाजिक-समझाइश'** का रास्ता अपनाएगा।

हमारा संकल्प-सिद्धांत है : **स्त्री 'शक्ति' का प्रतीक** भी होनी चाहिए और प्रमाण भी। इसीलिए समाज के सभी वर्गों और तबकों की स्त्री-शक्ति से आह्वान और अनुरोध है कि वे 'समाजवादी सबला-सुरक्षा वाहिनी' से जुड़ने के लिए आगे आएं और अपनी कुशलता व हुनर से अन्य स्त्रियों को आर्थिक-सामाजिक रूप से समर्थ-सबल बनाने में अपना योगदान दें और उनकी सुरक्षा के सवालों पर आवाज़ भी बुलंद करें और उनके लिए सुरक्षित वातावरण के निर्माण में सहयोग भी करें।

जिस दिन **'नारी की आज़ादी'**, देश की आज़ादी की पर्याय बन जाएगी, उस दिन सच में **'आधी आबादी' की पूरी आज़ादी होगी**।

आपका

अखिलेश

69 हजार शिक्षक भर्ती मामला

भाजपा का आरक्षण विरोधी चेहरा बेनकाब

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले मेंबड़ा झटका लगाहै। इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने अपने फैसले में शिक्षक भर्ती की पूरी मेरिट लिस्ट को रद्द कर दिया और तीन महीने में नई सूची बनाकर जारी करने का आदेश दिया। साथ ही अदालत ने शिक्षक भर्ती की नई मेरिट लिस्ट में बेसिक शिक्षा नियमावली और आरक्षणका पालन करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट के इस फैसले ने भाजपा का आरक्षण विरोधी चेहरा पूरी तरह बेनकाब कर दिया है।

हाई कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि69000 शिक्षक भर्ती भी आख़िरकार भाजपाई घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार की शिकार साबित हुई। यही हमारी मांग है कि नये सिरे से न्यायपूर्ण नयी सूची बने, जिससे पारदर्शी और निष्पक्ष नियुक्तियां संभव हो सकें और प्रदेश में भाजपा काल मे बाधित हुई शिक्षा-व्यवस्था पुनः पटरी पर आ सके।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम नयी सूची पर लगातार निगाह रखेंगे और किसी भी अभ्यर्थी के साथ कोई हक़मारी या नाइंसाफ़ी न हो, ये सुनिश्चित करवाने में कंधे-से-कंधा मिलाकर अभ्यर्थियों का साथ

दर्द देने वाले दवा देने का दावा न करें

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अखिलेश यादव ने कहा है कि 69000 शिक्षक भर्ती मामले में उत्तर प्रदेश के एक 'कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी' का बयान भी साज़िशाना है।

उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के 69000 शिक्षक भर्ती मामले में हाई कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए दिए गए बयान पर बगैर किसी का नाम लेते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पहले तो आरक्षण की हक़मारी में ख़ुद भी सरकार के साथ संलिप्त रहे और जब युवाओं ने उन्हीं के ख़िलाफ़ लड़कर, लंबे संघर्ष के बाद इंसाफ़ पाया, तो अपने को हमदर्द साबित करने के लिए आगे आकर खड़े हो गये।

श्री अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर जारी वक्तव्य में कहा है कि दरअसल ये 'कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी' शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के साथ नहीं हैं, वो तो ऐसा करके भाजपा के अंदर अपनी राजनीतिक गोटी खेल रहे हैं। वो इस मामले में अप्रत्यक्ष रूप से जिनके ऊपर उंगली उठा रहे हैं, वो 'माननीय' भी अंदरूनी राजनीति के इस खेल को समझ रहे हैं।

सपा मुखिया ने कहा कि शिक्षा और युवाओं को भाजपा अपनी आपसी लड़ाई और नकारात्मक राजनीति से दूर ही रखे क्योंकि भाजपा की ऐसी ही सत्तालोलुप सियासत से उप्र कई साल पीछे चला गया है।

निभाएंगे।यह अभ्यर्थियों की संयुक्त शक्ति की जीत है। सभी को इस संघर्ष में मिली जीत की बधाई और नव नियुक्तियों की शुभकामनाएं।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट में पिछले लंबे समय से 69 हजार सहायक शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले का मामला पेंडिंग था। इसे लेकर अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में रिट दायर की थी। इस याचिका में शिक्षक भर्ती केपदों पर आरक्षण अनियमितता का आरोप लगाया गया था। हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए शिक्षक भर्ती की मौजूदा मेरिट लिस्ट को गलत माना और उसे रद्द कर दिया। अदालत ने नए सिरे से मेरिट लिस्ट जारी करने का आदेश दिया।

हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को आदेश दिया कि नई मेरिट लिस्ट में आरक्षण नियमावली 1994 की धारा 3(6) और बेसिक शिक्षा नियमावली 1981 का पालन हो। साथ ही सरकार को अगले तीन महीने के अंदर नई मेरिट लिस्ट जारी करनी है।

उल्लेखनीय है कि जब यूपी के शिक्षा विभाग ने शिक्षक भर्ती की मेरिट लिस्ट जारी की थी तब ही परीक्षार्थियों ने इस पर सवाल उठाते हुए आरक्षण में गड़बड़ी के आरोप लगाए। 4.10 लाख छात्र-छात्राओं ने शिक्षक भर्ती के लिए परीक्षा दी थी, जिसमें 1.40 लाख अभ्यर्थी पास हुए थे। इस दौरान जिन अभ्यार्थियों का चयन तय माना जा रहा, उनके नाम मेरिट लिस्ट में नहीं थे। जिस पर आरक्षण में गड़बड़ी को लेकर अभ्यर्थियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

दम दिखाने को तैयार समाजवादी जोश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के व्यक्तित्व का सबसे अहम पहलू है कभी हार नहीं मानना। चुनावी सफलताओं या असफलताओं पर भाव विह्वल होने के बजाय वे अगले लक्ष्य की तैयारियों में जुट जाते हैं। लगातार बिना थके काम करते रहना उनका शगल बन चुका है।

अपनी इसी कार्यशैली के अंतर्गत ही लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी के शानदार प्रदर्शन से आत्ममुग्ध हुए बिना समाजवादी पार्टी के मुखिया जनता के सवालों को लेकर फिर मैदान में डट गए हैं। अब उनका सारा फोकस यूपी में होने वाले विधानसभा की 10 सीटों के उपचुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर है।

श्री अखिलेश यादव जिला व बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर रहे हैं। यही वजह है कि गांव हो या शहर का कार्यकर्ता अपने नेता के निर्देश पर अगले चुनावों की तैयारियों में जुट गया है।

जोश से हमेशा लबरेज रहने वाले समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद और उत्साहित हैं। श्री अखिलेश यादव का सानिध्य पाकर कार्यकर्ताओं का जोश और उफान पर पहुंच जाता है। श्री अखिलेश यादव भी जानते हैं कि उत्साही कार्यकर्ताओं के बूते ही लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन हुआ है और यही कार्यकर्ता 2027 में भी

समाजवादी सरकार बनाने के लिए पूरे जोश के साथ लगेंगे।

श्री अखिलेश यादव दूरदर्शी राजनेता हैं और वह जानते हैं कि जोश के साथ होश में रहना भी जरूरी है। वे यह भी जानते हैं कि यूपी की जनता समाजवादियों की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है। भाजपा सरकार से यूपी की अवाम त्रस्त है और इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहती है। चूंकि श्री अखिलेश यादव पीडीए के अलावा सर्व समाज की वकालत करने और उनकी आवाज बुलंद करने वाले नेता हैं इसलिए जनता का भरोसा भी उनपर बढ़ा है।

श्री अखिलेश यादव को पता है कि भाजपा तिकड़म में माहिर है और चुनाव में धांधली कर वह सत्ता में काबिज होने वालों में है इसीलिए वे कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती और जनता के दुख-सुख में शामिल होने की ताकीद करते रहते हैं।

समाजवादी पार्टी के शानदार प्रदर्शन के सिलसिले को आगे भी जारी रखने की तैयारियों में जुटे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पूरे संगठन को सक्रिय कर दिया है। संगठन की लगातार हो रही बैठकें और बूथ स्तर पर संगठन को और धार देने के साथ ही जनता के सवालों को भी मजबूती से उठाया जा रहा है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था व चरमरा गई स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जिस तरह समाजवादी आवाज उठा रहे हैं, उससे जनता समाजवादी पार्टी की ओर और उम्मीदों से देख रही है।

जनता के सवालों को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भी लोकसभा में कमान संभाल रखी है। वह खुद भी जनहित के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठा रहे हैं और दूसरे समाजवादी सांसद भी उनका अनुसरण कर रहे हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के बारे में एक स्थापित सत्य है कि वह बेहद संवेदनशील हैं और उनमें मानवता कूट-कूटकर भरी हुई है। इसका सबूत है कि उत्तर प्रदेश में होने वाले हादसों पर वह द्रवित हो जाते हैं। अत्याचार होने पर अपनी संवेदनाएं रोक नहीं पाते और फौरन समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल उन जिलों के लिए रवाना कर रिपोर्ट लेते हैं। जरूरत पर फौरन पार्टी की ओर से आर्थिक सहायता भी पहुंचाते हैं। हाथरस हादसे में मृत 123 लोगों के परिवार वालों तक 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता पहुंचाना

मानवता की मिसाल है।

कार्यकर्ताओं में 10 सीटों के लिए होने जा रहे उपचुनाव और आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को जीतने के लिए इसलिए भी जोश है क्योंकि कार्यकताओं ने देखा है कि PDA के जिस प्रयोग को श्री अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में सफलतापूर्वक अंजाम दिया, उस PDA को चुनाव बाद भी सम्मान दिया। विधानमंडल दल एवं सपा संसदीय दल में सामाजिक-जातीय संतुलन इसकी ताजा मिसाल है।

आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता लगातार बैठकें कर रहे हैं। संविधान मान स्तंभ की स्थापना से लेकर छात्र-नौजवान PDA जागरुकता अभियान के अलावा दूसरे सामाजिक मुद्दों पर लगातार आवाज बुलंद कर रहे हैं।

समाज के विभिन्न तबकों के लोग भी श्री अखिलेश यादव से मुलाकात करने के लिए समय मांग रहे हैं और श्री यादव पूरी आत्मीयता से न सिर्फ उन्हें वक्त दे रहे हैं बल्कि उनकी पीड़ा सुनकर साथ देने का भरोसा भी दे रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव के हाल में पूर्वांचल के दौरे में भी आम जनता उन्हें देखने और मिलने को बेताब रही। लखनऊ से वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचने पर बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने श्री अखिलेश यादव का जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट से लालगंज के रास्ते जगह-जगह श्री अखिलेश यादव का भव्य स्वागत हुआ। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता उपचुनाव में समाजवादी पार्टी को जिताएगी। आने वाले समय में जो भी चुनाव होंगे पार्टी ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी।

समाजवादी पार्टी का संगठन जिस तरह मजबूत हो रहा है और गतिशीलता बनी हुई है उससे तय है कि यही समाजवादी जोश उत्तर प्रदेश में जल्द होने जा रहे 10 सीटों के उपचुनाव व आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का परचम लहराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

समाजवादी पार्टी का यह प्रदर्शन कार्यकर्ताओं के जोश और जनता के समर्थन के बल पर आगे भी कामयाबी की मंजिल तय करता दिख रहा है।

संविधान मान स्तंभ की स्थापना और सामाजिक न्याय का संकल्प

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में 'आरक्षण अधिकार दिवस' पर 'संविधान मान स्तंभ' की स्थापना के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान मान स्तंभ में स्थापित भारत का संविधान PDA प्रकाश स्तंभ के रूप में हमारे लिए सदैव सामाजिक न्याय का मार्ग प्रकाशित और प्रशस्त करता रहेगा।

26 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर एक सादे समारोह में संविधान मान स्तंभ स्थापित किया गया। संविधान मान स्तंभ का अनावरण करने के बाद श्री अखिलेश यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए संविधान मान स्तंभ की स्थापना के

उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आरक्षण अधिकार दिवस को समाजवादी पार्टी ने संविधान मान स्तंभ के स्थापना दिवस के रूप में मनाने का विनम्र निर्णय लिया है क्योंकि 26 जुलाई सन् 1902 को महात्मा ज्योतिराव फुले जी द्वारा संकल्पित आरक्षण को कोल्हापुर के श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति साहूजी महाराज जी ने अपने राज्य में लागू करके आरक्षण का शुभारंभ किया था। उनका उद्देश्य सभी को संख्या के अनुपात में आरक्षण देना था।

श्री यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था जो आगे चलकर बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के सद्प्रयासों से हमारे संविधान में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना और देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत बना। उनका उद्देश्य हजारों सालों से प्रतिनिधित्व वंचित लोगों को राजनीतिक जमात बनाने के लिए उनमें से ही प्रशासक वर्ग निर्माण करना था।

उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार निजीकरण करके, नौकरियों में आरक्षण का अमल न करके इसे समाप्त कर रही है। यह सरकार युवाओं को नौकरियां भी सिर्फ इसलिए नहीं दे रही है जिससे कहीं आरक्षण न देना पड़ जाए और दलित, पिछड़े, वंचितों को उनका हक न मिल पाए।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी का मानना है कि जाति के आधार पर जनगणना हो ताकि समानुपातिक आधार पर सबको सम्मान और हक हासिल हो सके। डॉ राममनोहर लोहिया ने सबके विकास के लिए पिछड़ों को विशेष अवसर दिए जाने की मांग उठाई थी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवाद का नाम इकलौती समाजवादी पार्टी में जुड़ा है। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने का काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि संविधान और आरक्षण खत्म करने का खतरा अभी टला नहीं है। जनता के संकल्पित प्रयास से संविधान विरोधियों को मात देने का सिलसिला रुकने वाला नहीं। हम सब लामबंद होकर नफरत का खेल खेलने वालों को सफल नहीं होने देंगे।

उधर उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में समाजवादी पार्टी के जिला व महानगर कार्यालयों में सादगी के साथ संविधान मान स्तंभ स्थापित किया गया। बस्ती में समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष एवं विधायक महेन्द्र नाथ यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में संविधान मान स्तम्भ स्थापित किया गया। सोनभद्र समाजवादी पार्टी कार्यालय पर भी संविधान मान स्तंभ स्थापना की गई।

मथुरा समाजवादी पार्टी कार्यालय पर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव के द्वारा संविधान मान स्तंभ की स्थापना की गई। इसी तरह अमेठी गौरीगंज समाजवादी पार्टी कार्यालय,

आरक्षण पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का वक्तव्य

किसी भी प्रकार के आरक्षण का मूल उद्देश्य उपेक्षित समाज का सशक्तीकरण होना चाहिए, न कि उस समाज का विभाजन या विघटन, इससे आरक्षण के मूल सिद्धांत की ही अवहेलना होती है।

अनगिनत पीढ़ियों से चले आ रहे भेदभाव और मौकों की गैर-बराबरी की खाई चंद पीढ़ियों में आए परिवर्तनों से पाटी नहीं जा सकती। 'आरक्षण' शोषित, वंचित समाज को सशक्त और सबल करने का सांविधानिक मार्ग है, इसी से बदलाव आएगा, इसके प्रावधानों को बदलने की आवश्यकता नहीं है।

भाजपा सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुक़दमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश करती है, फिर जब पीडीए के विभिन्न घटकों का दबाव पड़ता है, तो दिखावटी सहानुभूति दिखाकर पीछे हटने का नाटक करती है। भाजपा की अंदरूनी सोच सदैव आरक्षण विरोधी रही है। इसीलिए भाजपा पर से 90% पीडीए समाज का भरोसा लगातार गिरता जा रहा है। आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की विश्वसनीयता शून्य हो चुकी है।

पीडीए के लिए 'संविधान' संजीवनी है, तो 'आरक्षण' प्राणवायु!

कुशीनगर पडरौना समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन में , रायबरेली , सीतापुर, कानपुर देहात के नगर पालिका परिषद अमरौधा में 'संविधान-मान स्तंभ' की स्थापना की गयी।

आगरा समाजवादी पार्टी ज़िला कार्यालय, हरदोई समाजवादी पार्टी कार्यालय, बलिया समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय, समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन लखीमपुर, देवरिया समाजवादी पार्टी कार्यालय एवं पीलीभीत जिला कार्यालय में भी संविधान मान स्तंभ स्थापित किया गया।

लक्ष्य 2027 बन रही रणनीति

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी को मिली शानदार सफलता के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। वे लगातार कार्यकर्ताओं से संवाद कर उनमें जोश भर रहे हैं। श्री अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं की बैठकों में उन्हें बता रहे हैं कि 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अभी से जुट जाना है और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना है।

कार्यकर्ताओं की बैठकों में श्री अखिलेश यादव प्रदेश की 10 सीटों पर शीघ्र होने वाले विधानसभा उपचुनावों की तैयारियों को लेकर भी कार्यकर्ताओं से जुट जाने की आह्वान कर रहे हैं।

15 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में बड़ी संख्या में आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रही है। 2027 में विधानसभा चुनाव की चुनौती सामने है। सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और एकजुटता से लगे रहना है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के खिलाफ लोगों के मन में गुस्सा है और वह समाजवादी पार्टी की तरफ उम्मीद से देख रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र बचाने की समाजवादी पार्टी की बड़ी लड़ाई है। समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना और सामाजिक न्याय के प्रति संकल्पित है। समाजवादी चाहती है कि

जातीय जनगणना हो ताकि लोगों की समानुपातिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। PDA एक नारा नहीं, आंदोलन है। इसके माध्यम से पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों सहित महिलाओं को गरीबों को भी सम्मान एवं हक मिल सकेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का भरोसा जनता की ताकत पर है। समाजवादी पार्टी का संकल्प है कि सन् 2027 में बनने वाली समाजवादी सरकार में जनहित में विकास कार्य जारी रखे जाएंगे। गांव-गरीब, किसान हमेशा समाजवादी पार्टी की प्राथमिकता में रहे हैं। अब समाजवादी पार्टी जनता को न्याय दिलाने के लिए सड़क से सदन तक वैचारिक संघर्ष करने में पीछे नहीं है।

16 जुलाई को राज्य मुख्यालय पर जुटे कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनावों में जनता ने भाजपा को सबक सिखाया है। अब भाजपाई एक-दूसरे को कोस रहे हैं। अयोध्या के चुनावी नतीजे ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी है। अयोध्या के निर्णय से सारे देश का सम्मान बढ़ा है। अयोध्या को लेकर भाजपा नेताओं को नींद नहीं आ रही है। वे हताश-निराश हैं। 2024 में PDA-INDIA गठबंधन की जीत के बाद अब 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता भाजपा का सफाया करेंगे।

16 जुलाई को ही सपा मुखिया ने लोहिया वाहिनी, वाराणसी के कार्यकर्ताओं से भेंट कर उनसे आगामी चुनावों की तैयारियों में

कि वे 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू कर दें। बूथ स्तर तक अपना संगठन मजबूत करें। क्षेत्रीय मतदाताओं से मिलते रहें और उनके सुख दुःख में शामिल होकर उनका विश्वास जीतें।

17 जुलाई को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठक में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बिखर चुकी है। उसकी राजनीतिक साख भी दांव पर है। वे बेदम हैं। भाजपा में कुर्सी की लड़ाई चल रही है। भाजपा के पदाधिकारी और विधायक ही प्रदेश में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और लूट के आरोप लगा रहे हैं।

19 जुलाई को पार्टी कार्यकर्ताओं से मुखातिब होते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को कमजोर करने में लगी है लेकिन जनता भी भाजपा को करारी शिकस्त देने के लिए मन बना चुकी है।लगभग आठ वर्ष में भाजपा ने सरकार में रहते हुए विकास का कोई काम नहीं किया है। भाजपा सरकार में नौजवानों को धोखा मिला है। किसान सर्वाधिक उत्पीड़ित है। जनसामान्य के उपयोग की सभी वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। भाजपा सरकार महंगाई और भ्रष्टाचार रोकने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा उपचुनाव और 2027 के विधानसभा के आम चुनाव में अब जनता जनार्दन भाजपा का सूपड़ा साफ करने को तैयार है।

20 जुलाई को राज्य मुख्यालय पर समाजवादी युवा संगठनों के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उपचुनाव सिर पर है। इनमें पीडीए को सामने रखकर जनता के बीच जाकर फिर समाजवादी पार्टी को विजयी बनाना है। इसके साथ ही 2027 में होने वाले विधानसभा के चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जाना हैं। इन सभी चुनावों में युवाओं की निर्णायक और महत्वपूर्ण भूमिका होगी। बिना समाजवादी सरकार के युवाओं का कोई भविष्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और पीडीए होने वाले उपचुनाव और आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में जनहित के मुद्दे लेकर जाएगी। समाजवादी पार्टी और पीडीए एकजुट होकर अभी से जनता के बीच जाकर भाजपा की षड़यंत्रकारी साजिशों को बेनकाब करने का काम करेगा।

हमने भाजपा को हराना सीख लिया है

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि 2027 विधानसभा का चुनाव भाजपा को हराने का चुनाव होगा। भाजपा ने दस सालों से प्रदेश और देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ाई है। उनके पास बढ़ती बेरोजगारी का कोई जवाब नहीं है। समाजवादियों ने भाजपा को हराना सीख लिया है।

उन्होंने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा का पता नहीं चलेगा। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा भावनात्मक मुद्दों के जरिए जनता को ठगती थी। लोगों के इमोशन का फायदा उठाती थी। जनता भाजपा की चालों का समझ गयी है।

हाल ही में एक न्यूज चैनल से साक्षात्कार में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि एक तरफ कर्मचारी आठवां वेतमान की मांग रहे हैं वही दूसरी तरफ जिस भाजपा सरकार ने दस साल तक देश में बेरोजगारी बढ़ाई है, वह युवाओं को पांच हजार रुपए की इंटर्नशिप नौकरी देने की बात कह रही हैं, वो भी सिर्फ एक साल के लिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश कीकानून-व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भ्रष्टाचार चरम पर है। मुख्यमंत्री के करीबी नेता कह रहे हैं कि उन्होंने इतना भ्रष्टाचार अपने पूरे राजनीतिक जीवन में नहीं देखा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा भाजपा ने पिछड़ों, दलितों को धोखा दिया। नौकरियों में आरक्षण नहीं दिया। झूठे सपने दिखाए। कोई काम नहीं किया। अगर काम किया होता तो भाजपा लोकसभा चुनाव में इतना बुरा नहीं हारती।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ते अन्याय, अत्याचार और भाजपा की गलत नीतियों के कारण हमने PDA को एकजुट किया। अब भाजपा को बहुत बेचैनी है। हमने पार्टी नेताओं के साथ बैठक में वरिष्ठ नेता माता प्रसाद पांडेय को नेता विरोधी दल बनाने का फैसला लिया, उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गयी। इस फैसले से सबसे ज्यादा परेशानी और तकलीफ भाजपा को हुई। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आजादी के बाद जिन लोगों को हक और सम्मान नहीं मिला, पीडीए उनकी लड़ाई है। आज देश में जातिगत जनगणना की बात हो रही है। पीडीए में पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, आधी आबादी, आदिवासी, गरीब अगड़े सब शामिल हैं।

सक्रिय हुआ सपा का संगठन

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव और 2027 के विधानसभाचुनाव की तैयारियों में समाजवादी पार्टी संगठन जुट गया है। लगातार सम्मेलन व बैठकों के जरिये कार्यकर्ताओं से संवाद कर बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने पर पूरा जोर है।

22 जुलाई को अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री श्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि श्री अखिलेश यादव ने पीडीए के माध्यम से प्रदेश के पिछड़ों दलितों मुस्लिम को एकजुट करके लोकसभा की 37 सीटों को जीतने का काम किया। यही नहीं श्री अखिलेश यादव के अथक प्रयासों से केन्द्र की भाजपा सरकार को कमजोर करके देश का संविधान व आरक्षण बचाने का काम किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा केवल विश्वकर्मा समाज का संगठन नहीं है बल्कि देश के अति पिछड़ी जातियों में लोहार, बढ़ई, सोनार, शिल्पकार, मूर्तिकार, सैफी, रामगढिया़, कुम्हार, नाई, कहार, साहू, तेली, चौरसिया, दर्जी, माली आदि को भी संगठन में भागीदारी देकर मजबूत बनाना है।

तय किया गया कि शिल्पकार समाज का सम्मेलन कर सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक लड़ाई लड़ी जाएगी। सम्मेलन में समाज का आह्वान किया गया कि आने वाले दिनों में होने जा रहे 10 सीटों के उपचुनाव और 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का साथ देना है इसलिए संगठन को मजबूत करना जरूरी है।

22 जुलाई को समाजवादी बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मिठाई लाल भारती के नेतृत्व में अंबेडकर वाहिनी के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें निर्णय लिया गया कि जल्द होने वाले उपचुनाव में सपा उम्मीदवार को बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ता मिलकर तन-मन-धन से विजयी बनाने का काम करेंगे।

श्री भारती ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उपचुनाव को लेकर पोलिंग स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। वाहिनी के कार्यकर्ता PDA महापंचायत के माध्यम से गांव-गांव जाकर जनता को जागरुक करेंगे और अंबेडकर विचारधारा व समाजवादी विचारधारा के लोगों को एकजुट करेंगे।

अखिलेश से सबको आस

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पर समाज के विभिन्न तबकों , संगठनों का विश्वास बढ़ा है और उन्हें श्री अखिलेश यादव से ही आस है।

इसी विश्वास के अंतर्गत हाल के दिनों में विभिन्न संगठनों ने श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर उनसे अपनी समस्याएं बताई हैं और न्याय के लिए साथ देने की अपील की है। श्री अखिलेश यादव ने भी इन संगठनों को आश्वस्त किया है कि वह उनकी आवाज बनेंगे।

16 जुलाई को श्रम विभाग आवासीय विद्यालय कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर श्री अखिलेश यादव से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा जिसमें कहा गया है कि यूपी बीओसी डब्ल्यू बोर्ड लखनऊ द्वारा संचालित बालक/बालिका विद्यालयों को चरणबद्ध रूप से बंद किये जाने तथा अगले शैक्षिक सत्र में नये बच्चों का प्रवेश न किये जाने का आदेश बोर्ड ने दिया है। जिसके कारण विद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों जिनकी संख्या लगभग 350 है और इन विद्यालयों में अध्ययनरत 1200 छात्र व 1200 छात्राओं का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

24 जुलाई को श्री अखिलेश यादव के नाम दिए एक ज्ञापन में लेखपाल भर्ती 2022 के दिव्यांग अभ्यर्थियों ने बताया कि मध्य प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान जैसे राज्यों में दिव्यांगों की समस्त ओ.एच. की उपश्रेणी को लेखपाल भर्ती में पूर्व से ही शामिल किया जाता रहा है लेकिन उत्तर प्रदेश में योग्य होने के पश्चात् भी उनका नाम परीक्षा परिणाम की अंतिम सूची में नहीं है। दिव्यांग अभ्यर्थी लगातार इसके लिए धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने श्री अखिलेश यादव से न्याय दिलाने का अनुरोध किया है।

26 जुलाई को माध्यमिक तदर्थ शिक्षक संघर्ष समिति उप्र के प्रतिनिधिमंडल ने श्री यादव से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया है कि सपा मुखिया एडेड माध्यमिक विद्यालयों में सृजित, अनुदानित व रिक्त पदों के सापेक्ष नियुक्त व दशकों से कार्यरत तदर्थ शिक्षकों की वर्तमान राज्य सरकार द्वारा सेवाएं समाप्त कर अपमानजनक व शोषणकारी मानदेय पूर्ण अस्थायी व्यवस्था में नियुक्ति के विरूद्ध तदर्थ शिक्षकों को न्याय दिलाएं।

...तो 'पौराणिक मध्ययुग' से बाहर आएगा यूपी

अरुण कुमार त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार

समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की दो बातें कभी नहीं भूलतीं। एक तो उन्होंने उत्तर प्रदेश को लेकर कही थी और दूसरी समाजवादी पार्टी के नेतृत्व को लेकर। यूपी को लेकर उनकी चेतावनी थी कि इस प्रदेश को बादशाहत की बीमारी लगी हुई है। जब तक वह उससे बाहर नहीं आएगा तब तक उसका कल्याण नहीं होगा।

दूसरी बात उन्होंने उस समय कही जब अखिलेश यादव को समाजवादी पार्टी की कमान दी गई। तब उन्होंने परिवारवाद का आरोप लगाने वालों का जवाब देते हुए कहा था कि यह संघर्ष का परिवारवाद है न कि सत्ता का।

उत्तर प्रदेश अपनी बादशाहत की बीमारी से अभी बाहर नहीं आया है। पहले वह कांग्रेसी नेताओं के व्यामोह में था और अब `गुजराती मॉडल' के व्यामोह में। लेकिन अखिलेश यादव और राहुल गांधी के संघर्ष

ने यह उम्मीद जगा दी है कि अगर सब कुछ 2024 के ढर्रे पर ही चलता रहा तो आने वाले उपचुनाव ही नहीं 2027 का विधानसभा चुनाव भी इंडिया समूह का ही होगा।

लेकिन यह तभी होगा जब प्रदेश की सोच `पौराणिक मध्ययुग' से बाहर आएगी। पौराणिक मध्ययुग जैसे विरोधाभासी पदावली का अर्थ यही है कि हम न तो पौराणिक आख्यानों को उनके वास्तविक समय संदर्भ और उद्देश्य में समझ रहे हैं और न ही मध्ययुग का सही इतिहास समझा रहे हैं। दोनों में एक प्रकार का घालमेल करके दोनों के सत्य और संदेश को नष्ट कर रहे हैं। राम को बाबर से लड़ाना और शिव को औरंगजेब से लड़ाना एक तरह का पौराणिक मध्ययुग ही है। इससे पौराणिक और मध्ययुग का तो कुछ नहीं बिगड़ेगा लेकिन हमारा आधुनिक युग बर्बाद हो रहा है।

बादशाहत की बीमारी ने इस प्रदेश का बड़ा नुकसान किया है। इस बात को जनेश्वर जी आंकड़ों के साथ रखते थे। उनका कहना था कि उत्तर प्रदेश की जनता ने अपने विकास को कभी राजनीतिक एजेंडा नहीं बनाया और बाद में नेताओं ने बनने नहीं दिया। उसकी वजह यह थी कि उत्तर प्रदेश यह सोचकर संतुष्ट था कि वह तो प्रधानमंत्री देता है, सारी राजनीतिक सत्ता उसी की है इसलिए उसे आर्थिक विकास से क्या लेना देना।

देश को नौ प्रधानमंत्री देने के बाद उत्तर प्रदेश को किसी और चीज की आवश्यकता रहती नहीं थी। कभी अमेठी रायबरेली का सामान्य राजनीतिक कार्यकर्ता भी अपने को प्रधानमंत्री का खासमखास समझता था। वह पीएम के अलावा किसी की बात ही नहीं करता था। अपनी वस्तुस्थितियों को देख न पाने की इसी मानसिकता को जनेश्वर जी ने बादशाहत की बीमारी कहा था।

हालांकि डॉ राममनोहर लोहिया ने शासक के भीतर बादशाहत के साथ फकीरी वाले गुणों की आवश्यकता पर जोर दिया था। लेकिन उनका वह सुझाव शासक के लिए था जनता के लिए नहीं था। वे जनता को निरंतर जमीनी मुद्दों को लेकर सचेत और संघर्षरत रहने की सीख देते थे। उत्तर प्रदेश की जनता संघर्षशील रही भी है। लेकिन पिछले 35 सालों से उसकी संघर्षशीलता को गलत दिशा में मोड़ दिया गया।

यह तभी होगा जब प्रदेश की सोच `पौराणिक मध्ययुग' से बाहर आएगी। पौराणिक मध्ययुग जैसे विरोधाभासी पदावली का अर्थ यही है कि हम न तो पौराणिक आख्यानों को उनके वास्तविक समय संदर्भ और उद्देश्य में समझ रहे हैं और न ही मध्ययुग का सही इतिहास समझा रहे हैं

जो लोग आज उत्तर प्रदेश में `रामराज्य' लाने का दावा कर रहे हैं और संदिग्ध आंकड़ों के माध्यम से उसके विकास की गाथा गा रहे हैं उन्हीं लोगों ने कम से कम 15 सालों तक प्रदेश में कोई स्थिर सरकार नहीं बनने दी। केंद्र में भले गठबंधन की स्थिर सरकार चल जाए लेकिन प्रदेश में क्या मजाल कि किसी सरकार को चलने दिया जाए। जब देश के दक्षिणी राज्य आर्थिक तरक्की कर रहे थे तब उत्तर प्रदेश मंदिर मस्जिद के विवाद में उलझा हुआ था। अक्सर यात्राएं, रथयात्राएं, आंदोलन, तोड़फोड़, बंद और दंगा यही प्रदेश की कहानी हो गई थी।

प्रदेश को विकास की याद तब आई जब यहां सामाजिक न्याय की ताकतों ने अपनी सरकारें बनाई। हालांकि उन्हें भी खूब सांप्रदायिक अराजकता झेलनी पड़ी। पर आज अयोध्या चित्रकूट से लेकर आगरा, लखनऊ और नोएडा तक विकास की जो रफ्तार और झांकी झलक दिख रही है उसमें समाजवादियों का विशिष्ट योगदान है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर जब युद्धक विमान उतरा था तो देश को गर्व हुआ था लेकिन इस गर्व के पीछे समाजवादियों की कार्यकुशलता थी। वह भी एक युवा समाजवादी मुख्यमंत्री की। जब आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे बनना शुरू हुआ और समाजवादी सरकार का कार्यकाल कम बचा था तब मुलायम सिंह जी को यकीन नहीं था कि यह एक्सप्रेस-वे बन जाएगा। लेकिन वह चमत्कार हुआ और उन्हें उस पर गर्व हुआ।

वैसा ही चमत्कार लखनऊ की मेट्रो को लेकर हुआ और उस पर भी समाजवादी पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं को गर्व होना चाहिए। हालांकि प्रदेश का शांतिपूर्ण विकास सांप्रदायिक ताकतों को सुहाया नहीं और उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक समृद्ध जिले को दंगों की आग में झोंक ही दिया।

दस साल तक केंद्र में और सात साल तक प्रदेश में हिंदुत्ववादियों के लगातार शासन से यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए कि उनकी नीति क्या है और समाजवादियों की नीति क्या है? समाजवादियों की नीति है भयमुक्त

और सद्भावपूर्ण विकास। वह विकास की अंतरराष्ट्रीय बहस से परिचित है। जहां कम्युनिस्ट देशों में रोटी बनाम स्वाधीनता की बहस चलती है। यानी या तो रोजगार ले लो या फिर आजादी ले लो। समाजवादियों की नीति में दोनों जरूरी है। वहां नागरिक स्वतंत्रता भी रहती है और आर्थिक समृद्धि भी है।

इसीलिए डॉ राम मनोहर लोहिया ने समाजवाद को परिभाषित करते हुए कहा था कि उसमें दो चीजें जरूरी है:—समता और समृद्धि। समाजवादियों ने उत्तर प्रदेश को भयभीत समाज बनाने की कोशिश कभी नहीं की। बल्कि नागरिक स्वतंत्रता का ध्यान रखा जाता था, आंदोलन करने और अपने सरकार की आलोचना का अधिकार था।

लेकिन पिछले दस सालों(राज्य के सात सालों) में न सिर्फ नागरिकों को दब्बू, पराधीन और भयभीत बनाया गया है बल्कि उससे न्याय और निष्पक्षता की उम्मीद भी छीन ली गई है। न्याय का प्रतीक आंख पर पट्टी बांधकर हाथ में तराजू लिए खड़ी न्याय की देवी नहीं रहीं, बल्कि बुलडोजर पर चढ़ा एक संन्यासी हो गया है। विडंबना देखिए कि पूरे प्रशासनिक अमले के साथ स्वयं गुंडई करने वाली सत्तासामाजिक न्याय की सरकारों के कार्यकाल को गुंडा राज बता रही है।

पौराणिक आख्यानों से लबरेज संघ परिवार ने पिछले दस सालों में पूरे देश को मध्ययुगीन प्रतिशोध का कार्यक्रम थमा दिया है। कहीं अल्पसंख्यक समुदाय के घर गिराए जा रहे हैं, कहीं लव जेहाद के नाम पर कानून बन रहे हैं, कहीं कांवड़ियों पर फूल बरसाए जा रहे हैं और ताजियादारों को धमकाया जा रहा है तो कहीं होटल वालों को अपना नाम और जाति लिखने को बाध्य किया जा रहा है तो कहीं शहरों के इस्लामी नाम बदले जा रहे हैं। हिंदू मुस्लिम नाम पर तनाव और ध्रुवीकरण तो आम बात है।

तथाकथित डबल इंजन की सरकारों ने न्याय का जो मजाक बनाया है उसने तो पौराणिक और मध्ययुग की मान्यताओं को भी धराशायी कर दिया है। कहीं बिलकिस बानो के अपराधियों को छोड़ा जाना और उनका सार्वजनिक अभिनंदन किया जाना, कहीं बलात्कार और हत्या के दोषी डेरा के बाबाओं को बार बार पेरोल दिया जाना तो कहीं प्रयागराज में खुलेआम विधायक की हत्या करने वाले सजा पाए अपराधी को माफी दिया जाना न्याय और कानून व्यवस्था का चरित्र बनता जा रहा है।

भ्रष्टाचार से लड़ने का दावा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अपराध मिटाने का दावा करने वाले योगी आदित्यनाथ दोनों ने अपने दावों के विपरीत आचरण का धारावाहिक प्रदर्शन किया है। लेकिन इस बीच सबसे खतरनाक परिघटना यह हुई है कि सरकार ने 1966 के उस आदेश को वापस ले लिया है जिसके तहत सरकारी कर्मचारियों को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की शाखाओं और दूसरी गतिविधियों शामिल होने से रोक दिया गया था। हालांकि सत्ता पर

बड़े पैमाने पर संघ के लोग काबिज हैं लेकिन फिर भी उस आदेश से एक परदेदारी बची थी। अब वह भी उठा ली गई है। अब राज्य खुलेआम संघ को प्रातःस्मरणीय संगठन मानकर उसके हर अपराध को राष्ट्रहित में किया गया बलिदान मानेगा।

वास्तव में भारत एक डीप स्टेट की ओर जा रहा है। जहां राज्य के भीतर भी एक राज्य है। अब राज्य धर्म, जाति, लिंग, भाषा और जन्म के स्थान के आधार पर भेदभाव न करने की शपथ नहीं लेता बल्कि इसी आधार पर भेदभाव का संकल्प जताता है। उसका उद्देश्य समता और बंधुत्व नहीं है। उसका उद्देश्य समरूपता है। यह सही है कि जब 2024 के चुनावों में इंडिया समूह ने संविधान की रक्षा की बात उठाई और उसके चलते उत्तर प्रदेश में भाजपा की सीटें आधी हो गईं तो अब केंद्र सरकार के मंत्री और अधिकारी कुछ ज्यादा ही संविधान की पवित्रता की बात करने लगे हैं।

लेकिन यहां एक बात समझ लेनी जरूरी है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का इस संविधान से कभी प्रेम नहीं रहा। उसके मुखपत्र `आर्गनाइजर' ने 1950 में भी संविधान को एक गैर जरूरी और औपनिवेशिक दस्तावेज बताया था और आज भी उसके समर्पित कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी उसे कमजोर करने और तुष्टीकरण का दस्तावेज बताने से नहीं चूकते। `आर्गनाइजर' ने उस समय लेख लिख कर बताया था कि किस तरह राष्ट्रीय ध्वज का तीन रंग देश के लिए अशुभ है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपने को भारतीय बताने का दावा करता लेकिन वास्तव में वह भारत के उस विचार को नहीं मानता जिसके तहत इस देश में जो भी आया वह यहां की मिट्टी में रच बस गया।

वह यह नहीं मानता कि यहां सभी धर्मों के लोग एक दूसरे के साथ अमन चैन से रह सकते हैं। वह मानता है कि इस देश में हिंदुओं की संस्कृति ही सर्वेश्रेष्ठ है और सभी को उसे स्वीकार करना चाहिए। जो नहीं स्वीकार करते उन्हें उसके लिए दंड और पुरस्कार देकर तैयार करना चाहिए। यही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद है।

पीडीए यानी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक वास्तव में एक लोकतांत्रिक क्रांति का आह्वान है जिसके तहत समाज के वंचित तबकों को उनका हक दिलाने के साथ प्रदेश की गंगा जमुनी तहजीब बहाल करना है। इसके लिए जरूरी है कि प्रदेश को बादशाहत की बीमारी से निजात दिलाया जाए

आज राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और उसका राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी भले ही कभी आपस में टकराते दिखें या कभी संविधान के मूल्यों की शपथ लेते हुए दिखें लेकिन उनकी मान्यता वही है जो सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की है। इसी विचार के तहत वे राज्य के सभी अंगों पर कब्जा करने की कोशिश में हैं और कर भी चुके हैं।

इसी नजरिए और योजना के विरुद्ध समाजवादी पार्टी और इंडिया समूह ने 2024 के चुनाव में अपने प्रभावशाली हस्तक्षेप से एक उम्मीद जगाई है और आशा है कि उम्मीद की वह दस सीटों पर होने वाले उपचुनावों में कायम रहते हुए आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में एक मशाल बनकर प्रदेश और देश को रोशनी देगी। उसके लिए जरूरी है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस व इंडिया समूह के दल न तो अपनी एकजुटता को कमजोर करें और न ही अपने एजेंडे को।

समाजवादी पार्टी की सफलता यह है कि जिस कांग्रेस पार्टी से उसका मतभेद आजादी के बाद से निरंतर गहरा होता गया वह 2024 के बाद बहुत कुछ सिमटता गया है। अगर कहा जाए कि गैर- कांग्रेसवाद बदल कर गैर भाजपावाद हो गया है और कांग्रेस के नेतृत्व का समाजवादीकरण हुआ है तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। जिस कांग्रेस पार्टी में पिछड़ों के आरक्षण को लेकर तमाम आपत्तियां थीं वह अब जाति जनगणना की मांग कर रही है।

पीडीए यानी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक वास्तव में एक लोकतांत्रिक क्रांति का आह्वान है जिसके तहत समाज के वंचित तबकों को उनका हक दिलाने के साथ प्रदेश की गंगा जमुनी तहजीब बहाल करना है। इसके लिए जरूरी है कि प्रदेश को बादशाहत की बीमारी से निजात दिलाया जाए और उसे पौराणिक आख्यानों और मध्ययुगीन प्रतिशोध की भावना से बाहर लाया जाए। प्रदेश में धर्म और राजनीति के अविवेकी मिलन को समाप्त करने की शुरुआत हो चुकी है। आशा है कि 2027 के बाद वे अपने अपने दायरे में खड़े पाए जाएंगे और राज्य की निष्पक्षता और जनपक्षधरता बहाल होगी। बंधुत्व बढ़ेगा और लोकतंत्र समता और समृद्धि के साथ दुनिया को नया संदेश देगा।

ममता संग अखिलेश
जुगलबंदी यह विशेष

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव व तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी के बीच तालमेल राष्ट्रीय राजनीति के फलक पर नई इबारत गढ़ने में लगा है। दोनों नेताओं की यह राजनीतिक जुगलबंदी एवं दोनों नेताओं के बीच तालमेल की गहरी जड़ें बताती हैं कि आने वाले दिनों में राष्ट्रीय राजनीति में दोनों नेता अहम भूमिका निभाएंगे।

दोनों नेताओं के बढ़िया तालमेल का एक और उदाहरण अभी हाल के दिनों में तब दिखा जब तृणमूल कांग्रेस के सालाना कार्यक्रम शहीद दिवस के अवसर पर 21 जुलाई को कोलकाता में आयोजित रैली में श्री अखिलेश यादव को विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में बुलाया गया। श्री अखिलेश यादव ने भी वहां पहुंचकर रिश्तों की गांठ को और मजबूती दी। जाहिर है, अखिलेश-ममता की यह जुगलबंदी विशेष है और राष्ट्रीय राजनीति के लिए अपरिहार्य भी।

तृणमूल कांग्रेस की ओर से कोलकाता के धर्मतला में आयोजित शहीद रैली में सारगर्भित भाषण के जरिये श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को किसी भी दल के लिए विशेष बताकर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का खूब हौसला बढ़ाया।

अपने भाषण में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि "ज़ुल्म की ख़िलाफ़त में जो जान दांव पर लगाते हैं, वे इतिहास में शहीदों की तरह याद किये जाते हैं।"

उन्होंने कहा कि 21 जुलाई का दिन 30 साल पहले, तृणमूल कांग्रेस के 13 समर्पित कार्यकर्ताओं की शहादत को याद करने का है लेकिन आंख में आंसू लाकर नहीं बल्कि सिर को ऊपर उठाकर क्योंकि ऐसी शहादतें ही किसी दल और देश का गौरवशाली इतिहास बनाती हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ये हर पार्टी का सौभाग्य नहीं होता, जिसे ऐसे जान देने वाले कार्यकर्ता मिलते हैं। दरअसल कोई कितना भी बड़ा लीडर हो जाए या कभी कोई भी बड़ा पद न पाए लेकिन वह कार्यकर्ता हमेशा रहता है। कार्यकर्ता सबसे छोटा नहीं, सबसे बड़ा होता है। कार्यकर्ता ही किसी दल की बुनियाद होता है। उसकी शहादत अगर ये बताती है कि वह पार्टी के प्रति कितना वफ़ादार था तो पार्टी द्वारा उसको याद करना बताता है कि पार्टी के दिल में उसके लिए

कितनी ऊंची जगह है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज की चुनौती बहुत बड़ी है। साम्प्रदायिक ताक़तें षड़यंत्र रच रही हैं। वे देश को अपनी विभाजनकारी राजनीति के नाम पर बांटकर, हमेशा के लिए राज करना चाहती हैं लेकिन ऐसा करने में वे कुछ समय के लिए कामयाब हो भी जाएं पर आखिरकार वे हारेंगी क्योंकि गलत मंसूबे कभी अपनी मंज़िल नहीं पाते।

श्री अखिलेश यादव ने कहा किदेश जाग उठा है और ऐसी ताक़तों के पैर उखड़ने शुरू हो गए हैं, अब सकारात्मक राजनीति का वक़्त आ गया है। देश को बचाने के लिए, संविधान को बचाने के लिए, भाईचारा बचाने के लिए, हम सब को एक होना है, एकजुट रहना है।

शहीद रैली में जुटे जनसमूह से मुखातिब श्री अखिलेश यादव ने कहा कि वह यहां आए हर समर्पित कार्यकर्ता से कहना चाहूंगा कि 'हिम्मत को बनाना हथियार और उसूलों की बुनियाद रखना, अपने हौसलों को हौसला देने के लिए अपने शहीदों को हमेशा याद रखना।'

उल्लेखनीय है कि श्री अखिलेश यादव व सुश्री ममता बनर्जी में परस्पर सम्मान का भाव शुरू से ही रहाहै। लोकसभा चुनाव के दौरान सुश्री ममता बनर्जी INDIA गठबंधन का औपचारिक हिस्सा नहीं रहीं लेकिन श्री अखिलेश यादव ने भदोही लोकसभा की सीट तृणमूल कांग्रेस के लिए छोड़ दी और दोनों दलों के मजबूत रिश्तों पर फिर एक बार मुहर लगा दी।

INDIA का दायरा बढ़ा रहे अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

INDIA गठबंधन के गठन और फिर लोकसभा चुनावों में विपक्ष को कामयाबी दिलाने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव अब INDIA गठबंधन का दायरा बढ़ाने में जुटे हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद देश में बदली हुई राजनीतिक तस्वीर के तहत कई दलों ने NDA से दूरी बना ली। इनमें आंध्र प्रदेश का वाईएसआर कांग्रेस भी शामिल है। अब उसे INDIA गठबंधन के करीब लाने की पहल श्री अखिलेश यादव ने की है। वाईएसआर कांग्रेस के मुखिया जगनमोहन रेड्डी अपने राज्य में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के सरकारी उत्पीड़न को लेकर दिल्ली के जंतरमंतर पर धरना पर बैठे तो 24 जुलाई को श्री अखिलेश यादव उनके समर्थन में वहां पहुंचे।

इस के कुछ ही दिन बाद श्री अखिलेश यादव आम आदमी पार्टी की ओर से अरविन्द केजरीवाल की रिहाई को लेकर आयोजित रैली में भी शामिल हुए।

उन्होंने श्री जगमोहन रेड्डी के समर्थन में कहा कि भाजपा की नकारात्मक राजनीति से उनके अपने दल के अलावा वे भी प्रभावित हो रहे हैं जो उन्हें सहयोग दे रहे हैं। उन्होंने श्री रेड्डी के समर्थन में कहा कि आंध्र प्रदेश में

भाजपा अपने समर्थन वाली सरकार को विपक्ष के खिलाफ वह सब गलत करना सिखा रही है जो वह दूसरे राज्यों में करती है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में जिस तरह विपक्ष के कार्यकर्ताओं और नेताओं को निशाने पर लेकर जानमाल से लेकर मान तक को हानि पहुंचाई जा रही है, ये सब भाजपाई साजिशें बहुत दिनों तक कामयाब नहीं होंगी।

श्री रेड्डी के समर्थन में जाकर श्री अखिलेश यादव ने दो संदेश दिए। पहला कि अत्याचार के खिलाफ समाजवादी पार्टी किसी के साथ भी डटकर खड़ी रहने वाली है और दूसरा राजनीति में शिष्टाचार सबसे ऊपर होना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव की सकारात्मक राजनीति का ही नतीजा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष सुश्री ममता बनर्जी ने जब 21 जुलाई को कोलकाता में शहीद रैली की तो सिर्फ श्री अखिलेश यादव को निमंत्रण दिया।

उल्लेखनीय है कि तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में INDIA गठबंधन का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया और अकेले दम पर चुनाव लड़ा मगर तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी से श्री अखिलेश यादव ने अपने रिश्ते मजबूत बनाए रखें। वह लगातार सुश्री ममता बनर्जी के संपर्क में रहते हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीति में कांग्रेस के साथ गठबंधन करना सुश्री ममता बनर्जी की राजनीति के लिए भले ही बाधक हो मगर राष्ट्रीय स्तर पर यदि वह INDIA गठबंधन के साथ खड़ी दिखती हैं तो उसमें एक बड़ी वजह श्री अखिलेश यादव भी हैं।

INDIA गठबंधन को मजबूत करने का एक और उदाहरण श्री अखिलेश यादव ने तब पेश किया जब लोकसभा में भाजपा के अनुराग ठाकुर के जाति पूछने की टिप्पणी पर कड़ा विरोध दर्ज करते हुए विपक्ष के बचाव में मजबूती के साथ खड़े हो गए। जाहिर है, इन सबके पीछे श्री अखिलेश यादव की मंशा और नीयत स्पष्ट है कि किसी भी सूरत में विपक्षी INDIA गठबंधन न सिर्फ मजबूत हो बल्कि देशभर में उसका दायरा भी और बढ़े।

दरअसल गठबंधन धर्म का ईमानदारी से पालन करने में श्री अखिलेश यादव का कोई सानी नहीं है। INDIA के गठबंधन की शुरुआत से लेकर अब तक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने हर दिन गठबंधन को मजबूत करने में लगाया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लोकसभा चुनाव से ही राष्ट्रीय राजनीति में श्री अखिलेश यादव का दखल बढ़ा है। तमिलनाडु से लेकर पश्चिम बंगाल तक जिस तरह श्री अखिलेश यादव को तवज्जो मिल रही है, वह साबित करता है कि उनकी सकारात्मक राजनीति, साफगोई सभी को भा रही है।

आम बजट में PDA व यूपी की उपेक्षा

प्रेम कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

आम बजट से किसानों की उम्मीदें पूरी हुईं या नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर बने या फिर महंगाई कम होने के कोई आसार दिखे- ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उद्योग-धंधों को फलने-फूलने का अवसर मिले, लोक कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार हो- ऐसा भी होता नहीं दिख रहा। संघीय ढांचे में क्षेत्रीय विषमता को दूर करने की कोई कोशिश भी आम बजट में नज़र नहीं आई। उल्टे इस बजट से सरकार अपने बैसाखियों को मजबूत करती दिखी।

बात देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की आम बजट पर प्रतिक्रिया से शुरू करें तो आम बजट की तारीफ करने के लिए उनके पास भी शब्दों की कमी पड़ती दिखी। आम बजट को योगी आदित्यनाथ ने भारत का आर्थिक दस्तावेज बताया और कहा कि इससे राम राज्य का सपना साकार होगा। यह बजट यूपी के विकास के लिए कितना कारगर है इस पर चुप्पी बनी रही। 5 किलो अनाज योजना का सबसे ज्यादा लाभ यूपी को मिलेगा- यह दावा यूपी की खुशनसीबी है या कि बदनसीबी यह जरूर विचारणीय है। यूपी के 15 करोड़ लोगों को 5 किलो अनाज योजना का लाभ मिलता रहेगा।

बजट में PDA की उपेक्षा

PDA वर्ग की उपेक्षा साफ तौर पर बजट में देखी गयी। इसकी वजह भी राजनीतिक रही। दरअसल पीडीए वर्ग ने मोदी सरकार के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार आम चुनाव में किया। क्या इसका बदला लिया गया? यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आम बजट को राजनीतिक और मोदी सरकार को बचाने वाला बजट करार दिया। उन्होंने इसे यूपी

सरकार बचाने वाला बजट

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कन्नौज के सांसद श्री अखिलेश यादव ने लोकसभा में आम बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने सवाल उठाया कि बजट में किसानों, युवाओं, बेरोजगारों व गांवों की उपेक्षा हुई है। इस तबके की तकलीफों और परेशानी के प्रति सरकार का यह बजट उदासीन है।

30 जुलाई को लोकसभा में अपने संबोधन में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह चलने वाली नहीं गिरने वाली सरकार है। अपनी सरकार चलाने के लिए केंद्र सरकार ने बजट में दो राज्यों को पैकेज दिया है। भाजपा तोड़फोड़ कर सरकार बनाती है।

उन्होंने कहा कि इस बजट में उत्तर प्रदेश को कोई बड़ा प्रोजेक्ट नहीं मिला। न कोई आईआईएम मिला और न कोई आईआईटी। सरकार ने किसानों को फसलों की एमएसपी की गारंटी नहीं दी। उन्होंने कहा कि जबसे भाजपा सरकार आई है तब से रेल दुर्घटना और पेपर लीक में कॉम्पटीशन चल रहा है कि कौन आगे रहेगा।

श्री अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि बजट में केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में न कोई बड़ी शैक्षिक संस्था दी, न कोई मेडिकल संस्था दी और न कोई एक्सप्रेस-वे दिया। इस सरकार ने मेक इन इंडिया के हवाले से दावा किया था कि निजीकरण से नौकरियां मिलेंगी। संस्थाएं निजी हाथों में चली गईं लेकिन नौकरियां कम हो गईं।

उन्होंने कहा कि इस सरकार में पीडीए परिवार को हक और सम्मान नहीं मिला, उन्हें धोखा मिला। अगर बजट बहुत अच्छा है तो देश का निर्यात क्यों कम हो रहा है? व्यापार घाटा कैसे खत्म करेंगे? जनता भाजपा को समझ चुकी है। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा ही नहीं हारी बल्कि प्रधानमंत्री जी भी वोट के हिसाब से हारे हैं।

श्री यादव ने कहा कि अग्निवीर योजना ने नौजवानों की सेना की नौकरी आधी अधूरी कर दी। समाजवादी लोग सेना की अग्निवीर की नौकरी कभी स्वीकार नहीं करेंगे। जब सत्ता में आएंगे इसे खत्म कर देंगे।

उन्होंने कहा कि इस सरकार ने इस बजट में भी आधारभूत ढांचे के मामले में उत्तर प्रदेश की उपेक्षा की। अगर सरकार पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के गाजीपुर से बलिया होकर बक्सर तक 25 किलोमीटर जोड़ देती तो देश को भागलपुर से दिल्ली तक एक्सप्रेस-वे मिल जाता।धं बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे को सतना और हरिद्वार से जोड़ना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यह सरकार कहती है कि वह एफडीआई लायी लेकिन उस एफडीआई का एक फीसदी भी यूपी को नहीं मिला। लखनऊ में इन्वेस्टर मीट हुआ। साढ़े चार लाख करोड़ के निवेश का दावा किया गया लेकिन उसके लिए क्या बजट दिया! इन्वेस्टर मीट में पीएम से लेकर तमाम केन्द्रीय मंत्री और देश के बड़े-बड़े मंत्री आए लेकिन उससे उत्तर प्रदेश को क्या मिला।

विरोधी भी बताया। उन्होंने साफ कहा कि मोदी सरकार में लोगों की नौकरी गयी, उद्योग बंद हुए। अब नौकरी के नाम पर इंटर्नशिप की बात की जा रही है। नौजवानों को कोई राहत नहीं मिली है। यहां तक कि किसानों के लिए आम बजट में कुछ भी नहीं है।

अखिलेश यादव ने सवाल किया, "उत्तर प्रदेश, जो प्रधानमंत्री देता है, क्या वहां के किसानों के लिए कुछ भी बड़े फैसले हैं?" उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि मंडी को लेकर बड़ी-बड़ी घोषणाएं पिछले बजट में की गयी थीं लेकिन एक भी मंडी का निर्माण नहीं किया गया।

चुनाव में हार का बदला ?

आम बजट में क्या यूपी को कोई नया प्रोजेक्ट मिला? कोई स्पेशल पैकेज मिला? बजट आवंटन में कोई तवज्जो मिली?- इन सबका जवाब है नहीं। सच ये है कि लोकसभा चुनाव से पहले अंतरिम बजट में यूपी को जो तवज्जो मिली थी, वह लोकसभा चुनाव के बाद आम बजट में गायब हो गयी। अंतरिम बजट में केंद्रीय कर और शुल्क में यूपी की हिस्सेदारी 2,18, 816.84 करोड़ थी। आम बजट में इसे बढ़ाकर 2, 23, 737.23 करोड़ कर दिया गया। शिक्षा, स्वास्थ्य के बजट में भी यूपी की अनदेखी दिखती है। सवाल ये है कि क्या यूपी से इस बात का बदला लिया गया है कि आम चुनाव में बीजेपी को यहां मुंह की खानी पड़ी?

रेलवे में यूपी के लिए किसी बड़ी योजना का एलान नहीं हुआ। सिर्फ नॉर्थ और नॉर्थ सेंट्रल रेलवे में आने वाली 2 रेल लाइनों के दोहरीकरण और एक रेल लाइन को ट्रिपल करने के लिए बजट आवंटित किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में यूपी से नज़रें फेर ली गयी हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण में 15 हजार किमी से अधिक लंबी सड़कें बनाई जाएंगी। इससे पहले तीसरे चरण में यहां 19 हजार किमी सड़कें बनाई गई थीं।

संघीय ढांचे पर चोट

आम बजट में चुनाव नतीजों का असर तो दिखा ही, मोदी सरकार के बैसाखियों पर टिके होने का प्रमाण भी दिखता है। जिस तरह से बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष मदद की घोषणा की गयी, उससे यह साफ हुआ कि आम बजट का इस्तेमाल केंद्र सरकार के लिए ऑक्सीजन पाने की खातिर किया गया है। इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने आम बजट का इस्तेमाल सरकार बचाने के लिए करने पर नाराज़गी जताई। देशभर में प्रदर्शन किए। इंडिया गठबंधन ने आम बजट को देश की संघीय व्यवस्था के खिलाफ बताया। पंजाब के नाम का जिक्र तक बजट में नहीं होने पर भी पंजाब में निराशा देखी गयी।

कल्याणकारी योजनाओं के प्रति उदासीन

लोक कल्याणकारी योजनाओं पर नज़र डालें तो इसमें नाममात्र की बढ़ोतरी हुई है। मनरेगा के लिए आवंटित राशि में बढ़ोतरी मामूली इसलिए भी है क्योंकि मनरेगा के तहत रोजगार खोजने वालों की तादाद तेजी से बढ़ी है। वहीं, कार्य दिवस में बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। आयुष्मान भारत को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते रहे हैं। लेकिन, सच यह है कि अब आयुष्मान भारत के तहत इलाज करने से डॉक्टर इनकार कर रहे हैं। हरियाणा में डॉक्टरों ने आयुष्मान भारत के तहत इलाज नहीं करने का फैसला लिया है। देशभर में यही हालात हैं। इसकी वजह आयुष्मान के तहत कम बजट का होना है। इस लिहाज से आयुष्मान भारत का बजट चिंताजनक बना हुआ है। पीएम आवास शहरी और ग्रामीण भारत के लिए बजट में मामूली फर्क आया है। इससे जमीनी स्तर पर गरीबों के लिए उपलब्ध कराने में कितना असर पड़ेगा, इसको लेकर चिंता बनी हुई है।

कल्याणकारी योजनाओं का बजट

मनरेगा योजना	86,000
आयुष्मान भारत	7,300
पीएलआई योजना	6,200
सौर ऊर्जा (ग्रिड)	10,000
पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली	6,250
पीएम आवास (शहरी)	30,171
पीएम आवास (ग्रामीण)	54,500
पीएम विश्वकर्मा	4824
पीएम ग्राम सड़क	19000
मिशन वात्सल्य	1472

(करोड़ ₹ में)

मध्य वर्ग भी रहा निशाने पर

आम चुनाव में मध्य वर्ग का बड़ा हिस्सा बीजेपी के लिए वोट करता नहीं दिखा। इसका बदला लेती हुई सरकार नज़र आयी। प्रॉपर्टी की खरीद में इंडेक्सेशन को खत्म कर दिया गया। वेल्थ टैक्स दिखने में 2 0 प्रतिशत से घटकर जरूर साढ़े बारह प्रतिशत हुआ। मगर, इंडेक्सेशन के खत्म होने के बाद घटी हुई दर पर भी प्रॉपर्टी बेचने वालों को अधिक वेल्थ टैक्स सरकार को चुकाना होगा। हालांकि जब प्रभावी मध्यमवर्ग का तगड़ा विरोध सामने आया, तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इंडेक्सेशन को बहाल कर दिया।

मोदी के कार्यकाल में ऐसा पहली बार हुआ जब बीजेपी के भीतर से भी बजट के खिलाफ आवाज उठी। केंद्रीय मंत्री और पूर्व

डिंपल जी ने आम बजट पर सरकार को घेरा

बुलेटिन ब्यूरो

मैनपुरी की सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने लोकसभा में सरकार को घेरते हुए सवाल किया कि केन्द्र के बजट में उत्तर प्रदेश को क्या मिला है? उन्होंने कहा कि किसान परेशान है, युवा बेरोजगार और निराश है। मनरेगा में काम नहीं मिल रहा है, अग्निवीर योजना से युवाओं का सम्मान गिरा है और स्वास्थ्य-शिक्षा का स्तर में गिरावट आई है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक है। महिलाओं के प्रति अपराध दर बराबर बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार में महिलाओं को वूमेन पावर लाइन 1090 के द्वारा सुरक्षा दी गई थी मगर केंद्रीय बजट में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

लोकसभा में बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए 29 जुलाई को श्रीमती डिंपल यादव ने कहा कि किसान को अनिवार्य एमएसपी नहीं मिल रही है, खाद में सब्सिडी देने का वायदा नहीं निभाया गया। चुनाव के दौर में यह भी वायदा किया गया था कि आवारा पशुओं की समस्या का समाधान किया जाएगा, उनसे निजात दिलाई जाएगी। वह तो हुआ नहीं रात-रात भर खेत की निगरानी करने के लिए लोग चौकीदार जरूर बन गए हैं।

उन्होंने सरकार से सवाल किया कि इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं। फसल बीमा योजना की चर्चा है पर यह नहीं बताया जा रहा है कि उससे कितने लाभान्वित हुए? उसमें कितनी गिरावट आई? सचाई यह है कि एक दशक में ग्रामीण अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। श्रीमती यादव ने मांग की कि मनरेगा में कार्य दिवस बढ़ाकर 100 दिन का वेतन मिलना चाहिए। इस बार भी मनरेगा का बजट नहीं बढ़ा है। शिक्षा का बजट घट गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की नीयत ठीक नहीं है। स्वास्थ्य का बजट भी कम हो गया है। श्रीमती यादव ने कहा कि अग्निवीर योजना से युवाओं की प्रतिष्ठा और सम्मान गिराने का काम किया गया है। जातीय जनगणना की जरूरत है। युवाओं के मन में निराशा है। रोजगार के वायदे पूरे नहीं हुए। बेरोजगारी दर घटने के बजाय बढ़ रही है।

बीजेपी अध्यक्ष नितिन गडकरी ने वित्त मंत्री को चिट्ठी लिखी कि यह सरकार मेडिक्लेम और लाइफ इंश्योरेंस पर जीएसटी लेना बंद करे। जीवन के जोखिम पर जीएसटी लेना मानवता विरोधी है। हालांकि अब तक इस आवाज़ को सुना नहीं गया है लेकिन यह दबाव मोदी सरकार पर बना हुआ है कि गैर जरूरी जीएसटी इंश्योरेंस के क्षेत्र में वापस ले।

बेरोजगारों के लिए नाउम्मीदी

आम बजट बेरोजगारों में कोई उम्मीद पैदा नहीं करता। किसानों के लिए इसमें कोई राहत नहीं है। महंगाई कम करने के उपाय भी नज़र नहीं आते। छोटे और मझोले उद्योगों के लिए भी बजटीय सहायता बगैर बजाय के दिखाई नहीं देती। जाहिर है कि निराशाजनक माहौल में एमएसएमई ब्याज पर कर्ज लेने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में ऋण की उपलब्धता न पहले कारगर हुई थी और न अब कारगर होने की उम्मीद है। ऐसा लगता है कि आम बजट का फायदा इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर बड़े-बड़े सरमायेदारों को ही होगा।

सपा ने सदन में जनहित के मुद्दे उठाए

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के विधायकों एवं विधान परिषद सदस्यों ने 29 जुलाई से 2 अगस्त तक चले उत्तर प्रदेश विधानमंडल के सत्र के दौरान जनता के मुद्दों पर भाजपा सरकार को जमकर घेरा। बिजली, पानी, सड़क, कानून व्यवस्था व बेपटरी स्वास्थ्य सेवाओं पर समाजवादी पार्टी के सवालों पर यूपी सरकार कोई माकूल जवाब नहीं दे सकी। पहले की तरह ही इस सत्र में भी जनता के सवालों को भाजपा सरकार नजरंदाज करती रही।

उत्तर प्रदेश विधानमंडल का सत्र 29 जुलाई से शुरू हुआ। विधानमंडल के दोनों ही सदनों में पहले दिन से समाजवादी पार्टी के सदस्य जनता के हितों को लेकर सरकार पर आक्रामक रहे। 2 अगस्त तक चले सत्र के दौरान तमाम मुद्दों को विधायकों ने जोरदार तरीके से उठाया।

तमाम बुनियादी सवालों पर समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने सरकार से जवाब मांगा और जन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार से मांग की। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी के सदस्यों के मुखर होने से बगलें झांकती रही और उसने बेहद जरूरी जनता के सवालों को नजरंदाज किया।

विधानसभा में वरिष्ठ नेता व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने जोरदार तरीके से सरकार को घेरा और तमाम बुनियादी सवाल उठाए। नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय ने जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरा। स्वामी ओमवेश ने व्यापारियों व किसानों की समस्या उठाई तो मोहम्मद फहीम ने आलू किसानों, बिजली के सवाल जोरदार तरीके से उठाए।

वहीं अनिल प्रधान ने किसानों, बिजली व शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखी। श्रीमती रागिनी सोनकर ने निवेश के मुद्दे पर सरकार को घेरा और बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवाल पूछा। कमाल अख्तर, राम मूर्ति वर्मा ओम प्रकाश सिंह, इकबाल महमूद, रफीक अंसारी, सुधाकर सिंह ने बुनियादी सवालों और जनता के हितों

पर सरकार से जवाब मांगा। नफीस अहमद व आरके वर्मा ने बेपटरी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उप्र सरकार को घेरा।

संग्राम सिंह यादव ने बदतर बिजली आपूर्ति व बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सरकार पर सवाल उठाए। महबूब अली, समरपाल सिंह, महेंद्र यादव, अतुल प्रधान, विजमा यादव, प्रदीप यादव, प्रभु नारायण यादव ने कानून व्यवस्था पर सरकार पर जमकर निशाना साधा। रविदास मेहरोत्रा ने तमाम मुद्दों पर विधानसभा में अपनी बात रखी। पेपर लीक के मुद्दे पर नौजवानों के सवाल को लेकर सचिन यादव ने सरकार को घेरा। शिक्षा के मुद्दे पर पंकज मलिक मुखर रहे तो पंकज पटेल ग्रामीणांचल की समस्याओं के समाधान को लेकर आक्रामक दिखे। अनिल प्रधान ने पानी व सड़क के मुद्दे पर सरकार को निरुत्तर कर दिया।

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव, शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, जासमीर अंसारी व आशुतोष सिन्हा ने जनता के हितों की बात उठाई और जन समस्याओं के निराकरण की मांग की।

माता प्रसाद पांडेय बने नेता प्रतिपक्ष

बुलेटिन ब्यूरो

विधान मंडल सत्र की शुरुआत से पहले ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने विधानसभा व विधान परिषद में रिक्त चल रहे पदों पर सामाजिक व जातीय संतुलन बनाते हुए विधायकों को जिम्मेदारी सौंपी।

श्री अखिलेश यादव ने वरिष्ठ नेता श्री माता प्रसाद पाण्डेय को नेता प्रतिपक्ष, श्री इन्द्रजीत सरोज को उपनेता, श्री कमाल अख्तर को मुख्य सचेतक, श्री राकेश कुमार वर्मा को उप सचेतक तथा श्री संग्राम सिंह यादव को सचेतक मनोनीत किया। उल्लेखनीय है कि श्री अखिलेश यादव के लोकसभा का सदस्य बन जाने के मद्देनजर उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी खाली हो गई थी। राज्य विधानसभा के अधिष्ठातामण्डल के लिए सर्वश्री इंद्रजीत सरोज, महबूब अली तथा ओम प्रकाश सिंह मनोनीत किए गए। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर श्री लाल बिहारी यादव को मनोनीत किया गया जबकि श्री मो जासमीर अंसारी उप नेता बनाए गए। श्री किरनपाल कश्यप को विधान परिषद में मुख्य सचेतक व आशुतोष सिन्हा को सचेतक मनोनीत किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर गूंजा 'समाजवादी-समृद्धि-संदेश'

बुलेटिन ब्यूरो

स्वतंत्रता दिवस की 78 वीं वर्षगांठ पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने राज्य मुख्यालय लखनऊ में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उसके पश्चात अपने संबोधन में श्री अखिलेश यादव ने स्वतंत्रता' समाजवादी-समृद्धि-संदेश' देते हुए कहा कि समाजवादी तरक्की का मतलब होता है सबकी समान समृद्धि, न कि कुछ लोगों की वृद्धि। इसी को सुनिश्चित करना सच्ची स्वतंत्रता का कर्तव्य होता है।

श्री अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में ऐलान किया कि समाजवादी पार्टी के सत्ता में आने पर अग्निवीर योजना पूरी तरह खत्म कर दी जाएगी। श्री यादव ने कहा कि देश की सीमाएं असुरक्षित हैं। पड़ोसी देशों से संबंध बिगड़े हुए हैं। आये दिन आतंकी हमलों में जवानों की जाने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में रिक्त 24 सीटों को पहले भाजपा भरकर दिखाएं बाद में फिर किसी दूसरे देश के भारत में विलय की बात करे।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव द्वारा नृत्य में उपलब्धियां हासिल करने पर मीसा रतन एवं ईसा रतन, मणिशंकर यादव अग्निवीर अभ्यर्थी, उपेन्द्र कुमार कन्नौज के अतिरिक्त तरइया खान को लैपटॉप देकर पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह ने भी सभी देशवासियों को 15 अगस्त की बधाई देते हुए कहा कि देश की एकता

और अखंडता के लिए सभी देशवासियों को एक होकर देश की रक्षा करनी है।

सभी जनपदों के समाजवादी पार्टी कार्यालयों में भी झंडारोहण का कार्यक्रम समारोह पूर्वक मनाया गया। आगरा में समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन, जिलाध्यक्ष कृष्ण वर्मा, महानगर अध्यक्ष चौधरी वाजिद निसार के नेतृत्व में ध्वजारोहण हुआ।

एक और कार्यक्रम के अंतर्गत श्री अखिलेश यादव ने जयपुरिया स्कूल गोमती नगर लखनऊ में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया और मौजूद लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। श्री अखिलेश यादव ने जयपुरिया स्कूल के चेयरमैन विजय बहादुर यादव के साथ ध्वजारोहण करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि भारत को आजादी हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सबके त्याग और बलिदान के बाद मिली है। उनकी कुर्बानी से देश को संविधान और स्वतंत्रता मिली। आज जब हम आजादी की खुशियां मना रहे हैं, हमें स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेना होगा। हम समाजवाद के सपने को पूरा करेंगे। समाजवादी पार्टी द्वारा सामाजिक, आर्थिक समानता लाने के लिए डॉ अंबेडकर द्वारा दिए अधिकारों के लिए लड़ाई आज भी जारी है। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में जिनका कोई योगदान नहीं रहा वैसे नकली लोगों से सावधान रहना है तभी देश तरक्की करेगा।

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार ने विकास किया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर का इकाना स्टेडियम बनाया। न्यूयार्क की तर्ज पर यूपी डायल 100 बनाया। गोमती नदी की सफाई के साथ शानदार गोमती रिवर फ्रंट बनाया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी शानदार सड़क बनाई जिस पर सेना के युद्धक व मालवाहक भी उतरे। बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, उनका भविष्य बने इसलिए लैपटॉप बांटे। समाजवादी सरकार आएगी तो और तेजी से विकास होगा।

इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में झांसी की रानी का शौर्य प्रदर्शन, पिरामिड बनाकर ध्वज वंदन, नृत्य कार्यक्रम पेश किए जिनका करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। इस अवसर पर सर्वश्री आर.के. चौधरी सांसद, राजेन्द्र चौधरी पूर्व कैबिनेट मंत्री, मौलाना इकबाल कादरी राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा, जासमीर अंसारी एमएलसी, यामीन खान राष्ट्रीय महासचिव अल्पसंख्यक सभा आदि भी उपस्थित रहे।

PDA जागरुकता अभियान

युवाओं में सपा से जुड़ने की उत्सुकता

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी ने पूरे प्रदेश में अगस्त क्रांति दिवस से छात्र-नौजवान PDA जागरुकता अभियान कार्यक्रम शुरू किया। यह अभियान 9 अगस्त से 10 सितम्बर तक पूर प्रदेश में चलेगा।

इस दौरान युवाओं में समाजवादी पार्टी का सदस्य बनने में भारी उत्सुकता देखी जा रही है। बड़ी संख्या में छात्राएं भी सपा की सदस्यता ग्रहण कर रहीं हैं । इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार में छात्रों नौजवानो का शोषण हो रहा है। स्कूल, कालेजों की फीस में बढोतरी कर भाजपा छात्रों को शिक्षा सें वंचित करना चाहती है। पेपर लीक कराकर नौजवानों को रोजगार सें वंचित रखना चाहती है।

क्रांति दिवस पर 9 अगस्त से शुरू हुए छात्र, नौजवान PDA जागरूकता एवं सदस्यता अभियान के तहत मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने कपिलवस्तु से अभियान की शुरुआत की। अभियान की शुरुआत में ही भंते सहित अनेक लोगों ने समाजवादी पार्टी में आस्था जताते हुए सदस्यता ग्रहण की।

संत कबीर नगर में जिला मुख्यालय खलीलाबाद में सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई। जनपद बस्ती के मड़वा नगर में बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

जनपद बरेली में यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद यादव के नेतृत्व में अभियान की शुरुआत हुई। बदायूं में यूथ ब्रिगेड के प्रभारी अक्षय दीप यादव, शाहजहांपुर में यूथ ब्रिगेड के मनोज यादव, पीलीभीत में यूथ ब्रिगेड के प्रभारी कल्लू गुर्जर, गोरखपुर में समाजवादी छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष इं. विनीत कुशवाहा,

कुशीनगर में पूर्व राज्यमंत्री डॉ पीके राय, उन्नाव में जिलाध्यक्ष राजेश यादव मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सदस्यता अभियान के जिला प्रभारी त्रिशूलधारी सिंह आदि ने अभियान की शुरुआत की।

अभियान के तहत मिर्जापुर में समाजवादी युवजन सभा, समाजवादी लोहिया वाहिनी, समाजवादी छात्र सभा एवं मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड की संयुक्त बैठक में सैकड़ो नौजवानों व छात्रों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। देवरिया में जिला प्रभारी छात्र सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष परवेज आलम व संदीप पटेल द्वारा नौजवानों को सदस्य बनाकर सदस्यता की शुरुआत की गई।

छात्र-नौजवान P D A जागरुकता अभियान के तहत प्रदेश के सभी जिलों में अभियान की शुरुआत हो चुकी है और 10 सितंबर तक यह अभियान चलता रहेगा। अभियान के तहत प्रतिदिन जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और छात्रों-नौजवानों को समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाई जाएगी।

आजीवन संघर्ष की मिसाल
जनेश्वर मिश्र

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी चिंतक व पूर्व केंद्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र जी की जयंती पर 5 अगस्तको उत्तर प्रदेश के सभी जिलों पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम आयोजित कर छोटे लोहिया को श्रद्धांजलि दी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में जनेश्वर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात अपने संबोधन में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनेश्वर मिश्र जी ने पूरा जीवन समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने का काम किया। उनका पूरा जीवन संघर्ष का रहा। ऊचांइयों पर पहुंचने के बाद भी उनका जीवन बेहद सादा और सरल रहा। दिल्ली में अपने घर के बाहर उन्होंने लोहिया के लोग नाम से तख्ती लगाई थी। जहां उनसे मिलने के लिए देशभर से लोग आते थे। बाद में मीडिया से बातचीत में श्री अखिलेश यादव ने सपा सरकार में बने जनेश्वर पार्क की मौजूदा बदहाली पर चिंता जताई।

श्री अखिलेश यादव ने जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट में भी श्री जनेश्वर मिश्र जी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह, श्री राजेन्द्र चौधरी, डॉ मधु गुप्ता, श्रीमती मीना तिवारी पुत्री श्री जनेश्वर मिश्र जी, तारकेश्वर मिश्रा (भाई) ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर जनेश्वर जी को नमन किया।

फूलन देवी

शोषण के खिलाफ बुलंद आवाज

बुलेटिन ब्यूरो

सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्षरत पूर्व सांसद श्रीमती फूलन देवी की जयंती 10 अगस्त को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ समेत प्रदेश के सभी जनपदों में मनाई गई। समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की ओर से भी कई आयोजन किए गए।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने फूलन देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करते हुए कहा कि फूलन देवी जी ने अत्याचार और शोषण के खिलाफ आवाज उठाई। समाजवादी पार्टी से लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद उन्होंने संसद में भी गरीबों, पीड़ितों और शोषितों की आवाज बुलंद की।

इस अवसर पर नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव शिव पाल सिंह यादव, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी आदि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। उधर कानपुर ग्रामीण में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल एवं फूलन देवी जी की बहन श्रीमती रुक्मणि देवी ने भी फूलन देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन पर चर्चा की।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 6h
सबसे बड़ी शक्ति होती है जनता का प्यार-विश्वास और उससे भरी हुई अनमोल संह भेंट!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 6d
सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण समाज को सकारात्मक रूप से प्रेरित करता है।अपनी शास्त्रीय कला के माध्यम से संस्कृति को सक्रिय करने के लिए इन दोनों कलाकारों को सपा सम्मानित एवं पुरस्कृत करेगी।

सपा का काम-संस्कृति के नाम

#गोमती_रिवर_फ्रंट

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
'पद-नाम' को, 'पद-मान' देना ही स्वस्थ परंपरा होती है।
Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
दिल्ली का ग़ुस्सा लखनऊ में क्यों उतार रहे हैं?

सवाल ये है कि इनकी प्रतिष्ठा को ठेस किसने पहुँचाई? कह रहे हैं सामनेवालों से पर बता रहे हैं पीछेवालों को।

कोई है पीछे?

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
भाजपा राज में उप्र के अंदर नारी के मान-सम्मान से खिलवाड़ अपवाद नहीं रहा है। सत्ता के साये में बैठे लोग सरेआम 'वीभत्स सवाल' करके नारी को अपमानित कर रहे हैं। नोएडा में एक बार पुनः नारी की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाला कृत्य हुआ है। इससे कुछ दिनों पहले 'दिलवाए' गये बयान में कितनी सच्चाई थी, ये बात पता चलती है। घोर निंदनीय!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
भाजपा की 'स्टूल किट' की किट-किट से जनता परेशान हैं।

ये कोई काम तो करते नहीं हैं, इसीलिए इन्हें 'बयान मंत्री' बना दें।

दिल्ली-लखनऊ के ओलम्पिक में ये बेचारे गेंद की तरह हैं, दिल्ली का रैकेट इधर से लखनऊ भेजता है, तो लखनऊ का रैकेट दिल्ली।

ये हारे हुए हैं और कृपा पात्र मंत्री जी हैं, इसीलिए ये चुपचाप सब सहने पर मजबूर है। ये राजनीतिज्ञ नहीं, राजनीति के शिकार हैं।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
आम जैसे मीठे रिश्ते हैं अवाम से!
Translate post

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 31 Jul
भाजपा ने बजट का हलवा तो बनाया, लेकिन :
- घी डालना भूल गये
- चीनी मिलाना भूल गये
- पीडीए को बाँटना भूल गये

... और मेवा ख़ुद के लिए बचा ले गये।

#बजट_2024_झूठ_का_हलवा

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
SEBI की ऐतिहासिक जाँच होनी चाहिए क्योंकि सेबी का इतिहास ही ऐसा रहा है कि वो कभी सही मायनों में निवेशकों का सरंक्षक व सहारा नहीं बना।

भारत के बाज़ार में निवेश के प्रति सुरक्षा की भावना जगाने के लिए SEBI की प्रतिष्ठा की पुनर्स्थापना केवल एक निष्पक्ष जाँच ही कर सकती है।

SEBI प्रकरण की गहन-जाँच भारत की अर्थव्यवस्था की अपरिहार्यता है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
कोई भी समुदाय चाहे वह बांग्लादेश का अलग नज़रियेवाला बहुसंख्यक हो या हिंदू, सिख, बौद्ध या कोई अन्य धर्म-पंथ-मान्यता माननेवाला अल्पसंख्यक, कोई भी हिंसा का शिकार नहीं होना चाहिए।

भारत सरकार द्वारा इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार की रक्षा के रूप में सख़्ती से उठाया जाना चाहिए। ये हमारी प्रतिरक्षा और आंतरिक सुरक्षा का भी अति संवेदनशील विषय है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
कमी कोष की नहीं जनहित में काम न करने के जोश की है।

भाजपा ना-काम सरकार है।

#नहीं_चाहिए_भाजपा
Translate post

अमर उजाला देश

22 विभागों ने बजट का एक पैसा नहीं किया खर्च, 9458 करोड़ रखे रह गए

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 06 Aug
'हाथरस की बेटी' के बाद 'कन्नौज की बेटी' के साथ भी नाइंसाफ़ी की कहानी दोहरायी गयी है।

पिता को दुष्कर्म की शिकार बेटी के अंतिम दर्शन तक का अवसर न देना, और उनके पहुँचने से पहले ही ज़बरदस्ती अंतिम संस्कार कर देना, बेहद निंदनीय कृत्य है।
शासन-प्रशासन बताए कि ऐसा करके उसने किस बात पर
Show more

पिता के आने से पहले पुलिस ने शव का करा दिया अंतिम संस्कार
दुष्कर्म पीड़िता की खुदकुशी का मामला, सपा प्रतिनिधि मंडल पहुंचा घर

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

सांसद सम्मान समारोह, दिल्ली।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

मिलके पीडीए ने ऐसा तौला
'भाजपा' ने की 'तौबा-तौबा'

कितना बेवफ़ा हो गया है अब तो ये ज़माना
जिसने दिया 'दाना', उसी के ख़िलाफ़ गाना

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

NOT FOUND SUITABLE (NFS) एक तरह की ऐसी स्वैच्छिक छूट है, जिसको हथियार बनाकर भाजपा राज में कुछ प्रभुत्ववादी सोच के लोगों द्वारा PDA के हक़-अधिकार की हत्या की जा रही है।

PDA के शब्दकोश में NFS की नयी व्याख्या: NOT FAIR SELECTION जोड़ दी जाए।

पीडीए को सामाजिक न्याय के साथ-साथ शैक्षिक न्याय भी चाहिए।

Translate post

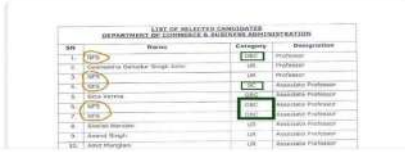

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

हुक्मरान भले अपने हुक्म से बदलवा दे किसी की जुबान
पर बदल नहीं सकती सिसकियों की गवाही और बयान

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

... और आपसी 'खटपट' का क्या... अंदरूनी बात दब गयी
या दबा दी गयी... ख़त्म हुई रार-तकरार या झूठी मुस्कानों से
ढकी है दरार... कई हैं सवाल???

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

अब तक तो संसद के बाहर ही छाता लेकर जाते थे, अब अंदर भी लेकर जाना पड़ेगा। Weather Resilient Crop के साथ ही सरकार Weather Resilient Construction पर भी ध्यान दे।

कहीं ऐसा तो नहीं कि कोई दल टूटने के कगार पर हो और वो नये दल के लिए 'टपकती छत' को अपना चुनाव चिन्ह बनाना चाहता है, इसीलिए उसके राज में हर जगह ऐसी तस्वीरें देखने को मिल रही हैं।

Translate post

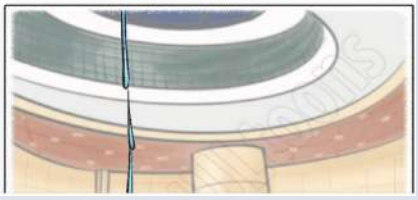

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh · 5d

'आलू' बना भाजपा राज में घूस लेने का कोड वर्ड। वैसे भाजपा राज में सब्ज़ी इतनी महँगी है कि कल को सच में घूस सब्ज़ी के रूप में माँगी जाएगी।

अब भाजपा सोच रही है कि अपने दरोगा जी को बचाने के लिए क्यों न बुलडोज़र आलू पर चलवा दिया जाए।

आलू कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा Show more

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

'देश के खेल' हॉकी में कांस्य पदक की जीत के लिए सभी जुझारू खिलाड़ियों और सच्चे खेल प्रेमियों को बहुत-बहुत हार्दिक बधाई।

Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

देश का मान बढ़ाने के लिए नीरज चोपड़ा के साथ समस्त सच्चे खेल प्रेमियों को 'रजत पदक' की जीत की रुपहली बधाई!

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 06 Aug

'अनुदेशक' भी हैं भाजपा के झूठे वादे के शिकार। भाजपा ने इनके नियमतीकरण का वादा तो किया था, पर कुछ किया नहीं।

भाजपा की है ये पहचान
वादा करके न करते काम

Akhilesh Yadav @yadavakhile... · 29 Jul

जहानाबाद विधानसभा से तीन बार के विधायक, वरिष्ठ समाजवादी नेता श्री मदनगोपाल वर्मा जी का निधन, अत्यंत दुःखद !

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो।

भावभीनी श्रद्धांजलि !

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 44 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

विवेक और आस्था

एक साथ नहीं चलते हैं विवेक और आस्था
क्योंकि दोनों का ही अपना अलग है रास्ता

आस्था कल्पना का तर्क विहीन षड्यंत्र है
विवेक यथार्थ के प्रकाश का,गायत्री मंत्र है

आस्था हमें ढकोसलों की ओर धकेलती है
विवेक की समझ नवीन दरवाज़े खोलती है

विवेकवान समाज उन्नति के शिखर छूता है
आस्था की भेडों का ईश्वर ही रक्षक होता है

जहां-जहां विवेक है वहां वहां खुशहाली है
जहां-जहां आस्था है वहां वहां पेट खाली है

सूर्य धरा के गिर्द घूमता था आस्था से डरा डरा
विवेक ने समझाया सूर्य स्थिर है घूमती है धरा

हमें पता है कल इसपर अपशब्द उचारे जाएंगे
गैलेलियो की तरह सभी सत्याग्रही मारे जाएंगे

पर जिम्मेदार क़लमकार विवेक के समर्थक हैं
आस्था उवाच के अधिकतर वचन निरर्थक हैं

भ्रमित आस्था की सांसों की अवधि सीमित है
गैलेलियो आज भी विज्ञान में,शान से जीवित है

भाजपा में अंतः कलह आस्था और विवेक की है
यानी कि नाम का जनतंत्र है चलती एक की है

— उदय प्रताप सिंह

समाजवादी पार्टी

/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in

QR कोड स्कैन करें और वाट्स-एप चैनल से जुड़ें

/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party